विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

दिसम्बर 2022 | मार्गशीर्ष - पौष , विक्रमी सं. 2079

विद्या भारती के संगठन मंत्री व दायित्ववान प्रचारकों का अखिल भारतीय वर्ग, केशवधाम, कटक (उड़ीसा) में 21-23 दिसम्बर 2022 को सम्पन्न हुआ।

मा. रामदत्त चक्रधर सह सरकार्यवाह एवं मा. अद्वैतचरण अ.भा. सह प्रचारक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ।

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की अखिल भारतीय बैठक का आयोजन

समाज के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें पूर्व छात्रः गोबिन्द महंत

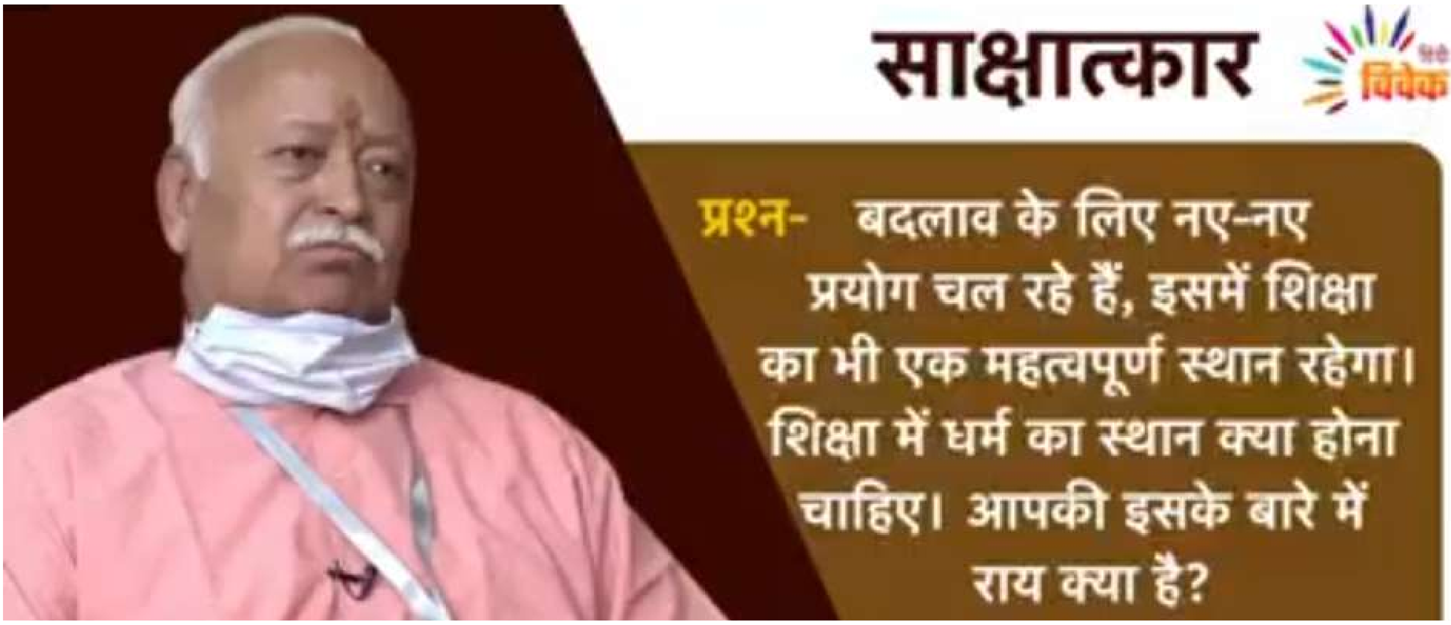

मासिक प्रकल्प में दी जा रही व्यवहार, स्वास्थ्य और पर्यावरण की शिक्षा

राव मेहर चंद सरस्वती विद्या मंदिर, भलस्वा, दिल्ली

जुलाई: भोजन संबंधी अच्छी आदतें- पौष्टिक भोजन की जानकारी, जंक फूड तथा पौष्टिक भोजन में अंतर, भोजन करने का सही तरीका, भोजन के लिए स्टील के टिफिन का प्रयोग।

अगस्त: आजादी का अमृत महोत्सव- आजादी के नायक, आजादी का इतिहास, आजादी का महत्व।

सितंबर: स्वदेशी- स्वदेशी वस्तुओं की जानकारी, स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी, स्वदेशी वस्तुओं का बच्चों द्वारा प्रयोग।

अक्टूबर: हमारा पर्यावरण- पर्यावरण की जानकारी, जीव, जल, जमीन का संरक्षण।

दिल्ली। आज के परिवेश में हमारे व्यवहार, स्वास्थ्य, खानपान, पर्यावरण, संस्कार आदि से जुड़ी अनेक समस्याएं आ रही हैं। इनके निवारण के लिए राव मेहर चंद सरस्वती विद्या मंदिर, भलस्वा, दिल्ली की ओर से मासिक प्रकल्प चलाए जाते हैं। प्रकल्प के क्रियान्वयन के लिए विद्यालय में बाल भारती की एक केंद्रीय टोली है जिसके अधीन 10 दिन के अंतराल पर कार्य करने वाली तीन टोलियां बनी हैं। प्रकल्प का प्रारंभ प्रथम टोली करती है और दूसरी टोली प्रथम टोली के कार्यों को आगे बढ़ाती है तथा तीसरी टोली प्रकल्प का समापन करती है। प्रकल्प से संबंधित 7-8 मिनट का क्रियाकलाप प्रतिदिन वंदना सत्र में कराया जाता है।

प्रकल्प की बातों को व्यवहार में लाने के लिए कक्षाचार्य एवं बाल भारती के प्रत्येक कक्षा के सदस्य अपनी कक्षा में क्रियान्वयन कराते हैं।

मासिक प्रकल्प का नाम एवं करवाए जाने वाले क्रियाकलाप इस प्रकार से है:-

अप्रैल: स्वच्छ विद्यालय- स्वयं स्वच्छ रहना, कक्षा-कक्ष में स्वच्छता बनाए रखना, इकोब्रिक बनाना, कूड़ा कूड़ेदान में डालना, कागज का कूड़ा बिल्कुल नहीं करना, कूड़ा कम से कम करने की कोशिश करना।

मई: ग्रीष्म काल में हमारी दिनचर्या एवं हमारा स्वास्थ्य - ग्रीष्म काल में तरल पदार्थों का उपयोग अधिक करना, लू से बचने के उपाय, ओआरएस तैयार करना, प्रातःकाल जल्दी उठना, अपने कार्यों की योजना बनाना, नियमित योगाभ्यास करना, प्रतिदिन ग्रीष्मावकाश का गृह कार्य करना, दादा-दादी तथा नाना-नानी की सेवा करना।

नवम्बर: वायु प्रदूषण हमारी एक मुख्य समस्या- वायु प्रदूषण क्या? उसके कारण तथा निवारण, दिल्ली का वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण को अपने स्तर पर कैसे कम किया जाए, वायु प्रदूषण के लिए जागरूकता, दिल्ली का एक्यूआई।

दिसंबर: आओ जानें हमारी संस्कृति- भारत के राज्यों की राजधानी, महापुरुष, तीर्थस्थल, भाषा, खानपान, प्रमुख स्थलों की जानकारी।

जनवरी: समर्पण- समाज का ऋण चुकाने के लिए समाज से जो पाया वह बांटना, जो पिछड़े हैं उनकी सहायता करना, दान देने की प्रवृत्ति बढ़ाना, गुल्लकों में धन संचय करवाना। एक बालक 10 लोगों से संपर्क कर समर्पण कराए।

फरवरी: परीक्षा एक उत्सव- परीक्षा कोई तनाव नहीं एक उत्सव है, तनाव कम करने के तरीके, परीक्षा में हार भी होती है जीत भी, हार-जीत दोनों एक ही तराजू के पलड़े।

योग में नियमितता और निरंतरता

33वीं राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता उदयपुर में सम्पन्न | देशभर से 53 टीमों ने विभिन्न वर्गों में किया प्रतिभाग

उदयपुर। विद्या निकेतन विद्यालय हिरण मगरी सेक्टर 4 उदयपुर में 33वीं राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन 16 दिसंबर 2022 को किया गया।

विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री माननीय अवनीश भटनागर ने कहा कि भगवान कृष्ण को योगेश्वर के नाम से जाना जाता है। योग का अर्थ केवल आसन, प्राणायाम नहीं है, योग आपके जीवन में भी स्थान ले यह आवश्यक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख श्री वर्धन ने अष्टांग योग को विस्तार से बताते हुए यम, नियम को उदाहरण सहित समझाया और कहा कि योगासन के नित्य अभ्यास से ध्यान केंद्रित होता है व हर कार्य सफल होता है। विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्र संगठन मंत्री माननीय शिव प्रसाद ने कहा कि योगासन कठोरता से करने की बजाय संयम से करना चाहिए। योगासन जीवन को श्रेष्ठ बनाना, शिखर पर ले जाना और देश को श्रेष्ठ बनाना सिखाता है।

योगासन से शरीर लचीला, तेजमयी और फुर्तीला बनता है। योगगुरु श्री देवेंद्र ग्रवाल ने कहा कि योग में नियमितता और निरंतरता अनिवार्य है। समापन सत्र में महामंडलेश्वर पूज्य श्री रासबिहारी शरण शास्त्री मेवाड़ ने कहा कि तन-मन को स्वस्थ रखने में योग का बड़ा स्थान है।

विद्या भारती राजस्थान के सह-संगठन मंत्री गोविन्द कुमार, उदयपुर नगर निगम के उप महापौर पारस सिंघवी का सानिध्य प्राप्त हुआ।

सभी क्षेत्रों के बच्चों ने किया शानदार प्रदर्शन

खेल प्रमुख विद्या भारती राजस्थान के सत्यनारायण मिश्रा ने बताया कि योगासन, आर्टिस्टिक व रिद्धमिक प्रतियोगिता में सभी क्षेत्रों के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूरे देश से बाल वर्ग, किशोर वर्ग, तरुण वर्ग में 53 टीमों ने भाग लिया जिनमें 294 प्रतिभागी और 68 प्रभारी आचार्य शामिल हैं। निर्णायक मंडल में देश के अलग-अलग प्रांतों की 20 टोली शामिल रहीं। पर्यवेक्षक ललित मोहन जी और खेल संयोजक दिल्ली राजेश जी के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता संपन्न हुई।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन

जीएलटी सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नेहरू नगर, दिल्ली

दिल्ली। NEP-2020 के बाद देश ने सीखने-सिखाने का एक नया चिंतन प्रारंभ कर दिया है। इसके तहत सीखने पर आधारित बाल-केंद्रित शिक्षा अपनाते हुए जीएलटी सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नेहरू नगर, दिल्ली निरंतर प्रयत्नशील है। इसी कड़ी में विद्यालय के सभी आचार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण की श्रृंखला शुरू की गई। विद्यालय ने शैक्षणिक व आवश्यकता आधारित प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोण से सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण के लिए इस वर्ष 25 सत्र आयोजित किए। सभी शिक्षकों को तज्ञ विषय-विशेषज्ञ के रूप में स्वाध्याय करने, किसी नए शिक्षण-अधिगम को समझने और मूल्यांकन शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए स्वप्रेरणा से चयनित विषय पर सत्र आयोजित करने का अवसर प्रदान किया गया।

इन प्रशिक्षण कार्यशालाओं का समय दोपहर बाद 40-45 मिनट रखा गया जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित न हो।

प्रशिक्षण में अनुभवात्मक शिक्षा, कहानी सुनाना, आईसीटी का उपयोग, खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र, छात्रों का 360° आकलन, विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की पहचान और परामर्श, उत्तर-पुस्तिकाओं का आकलन, परीक्षा में अंतर्दृष्टि, समावेशी शिक्षा आदि पर जोर दिया गया। प्रत्येक सत्र के दौरान संकाय सदस्यों को गतिविधियों और संदर्भ सामग्री के पत्रक आदि भी प्रदान किए गए। प्रधानाचार्य वीना गोयल जी ने भी स्वयं विषय तज्ञ के रूप में प्रेरित करने का कार्य किया। विषय के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक आवश्यकताओं जैसे शिक्षक डायरी, उपस्थिति रजिस्टर के रखरखाव, छात्र के पोर्टफोलियो आदि का भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा एनईपी के आधार पर शिक्षण और पाठ योजना कौशल को निखारने के लिए ब्लूम टैक्सोनॉमी, हॉवर्ड गार्डनर की थ्योरी ऑफ मल्टीपल इंटेलिजेंस पर सत्र के साथ भारतीय शिक्षा पद्धति पर विशेष जोर दिया गया। विद्यालय में छात्रों के समग्र विकास हेतु पंचकोशीय शिक्षा पद्धति आधारित नवीन शिक्षण तकनीकों का प्रयोग किया जाने लगा है।

गुवाहाटी में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित

सच्ची खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित करती है विद्या भारती: श्रीराम आरावकर

गुवाहाटी । विद्या भारती की 33वीं राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन शिशु शिक्षा समिति असम द्वारा संचालित विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प, हाजोंगबड़ी, चंद्रपुर में 3 व 4 दिसम्बर, 2022 को किया गया। प्रतियोगिता में देशभर से 214 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में अंडर 14, अंडर 17 एवं अंडर 19 बालक वर्ग में दक्षिण मध्य क्षेत्र का दल विजयी रहा। अंडर 14 बालिका वर्ग में दक्षिण मध्य क्षेत्र, अंडर 17 बालिका वर्ग में पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र एवं अंडर 19 बालिका वर्ग में दक्षिण मध्य क्षेत्र के दल ने विजय प्राप्त की। मेजबान पूर्वोत्तर क्षेत्र ने अंडर 14 बालक वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर ने बताया कि विद्या भारती स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया से मान्यता प्राप्त है और निष्पक्ष खेल पुरस्कार व श्रेष्ठ अनुशासन पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। विद्या भारती के विद्यालयों में 35 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं जिनमें से 2 लाख विद्यार्थी विभिन्न स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। विद्या भारती विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात करती है और सच्ची खेल भावना के साथ खिलाडियों को खेलने हेतु प्रेरित करती है।

मुख्य अतिथि हॉकी इण्डिया के कोषाध्यक्ष तपन दास जी ने

कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में खेलों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। विशिष्ट अतिथि क्रीड़ा एवं युवा कल्याण परिषद् के सह सचिव शौर्य शर्मा ने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों को शतरंज के खेल की तरह अच्छी रणनीति बनाकर परास्त किया जा सकता है। अध्यक्षता डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधरी ने की। छात्र एवं युवा कल्याण परिषद् असम के सदस्य सचिव गीतार्थ गोस्वामी, बीएल बेरिया, सरस्वती शिशु मंदिर दिब्रुगड़ की पूर्व छात्रा एवं राष्ट्रीय ख़िलाड़ी डॉ. अन्वेषा फुकन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति असम के साधारण संपादक कुलेंद्र कुमार भगवती आदि का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्या भारती के खेल संयोजक सौरभ गौतम, खेल अधिकारी रंजीत सैकिया ने प्रतियोगिताओं का संचालन किया।

अखिल भारतीय प्रशिक्षण टोली की बैठक के अवसर कर प्रेस कांफ्रेस

विद्या भारती के विद्यालयों में लागू होगी बैग मुक्त शिक्षा व्यवस्था

• राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क तैयार

• भारत केंद्रित शिक्षा व्यवस्था के लिए कटिबद्ध है विद्या भारती

जयपुर | विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि विद्या भारती देशभर के अपने 24 हजार शिक्षा केंद्रों में अगले शैक्षणिक सत्र से **भयमुक्त परीक्षा व बैग मुक्त शिक्षा व्यवस्था को प्रारंभिक शिक्षा में लागू** करने जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क तैयार कर लिया गया है।

विद्या भारती संस्थान जयपुर के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि विद्या भारती विश्व का सबसे बड़ा गैर सरकारी शैक्षिक संगठन है, जिसके देशभर में 24 हजार से अधिक नियमित, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, एकल विद्यालय, वनवासी क्षेत्र व संस्कार केंद्र संचालित हो रहे हैं। भारतीय शिक्षा व जीवन दर्शन के विषयों को कक्षाओं में कैसे क्रियान्वित किया जाए और किस प्रकार शिक्षा भारत केंद्रित कर नई पीढ़ी को तैयार किया जाए, इस बारे में भी जानकारी दी। श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र से पूरे देश के विद्या भारती के विद्यालयों में नवीन शिक्षा नीति के अनुसार विभिन्न नवाचारों को लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए अध्यापकों के प्रशिक्षण की योजना चरणबद्ध तरीके से बनाई जा रही है।

विद्या भारती के क्षेत्रीय कार्यालय सेवाधाम जवाहर नगर, जयपुर में 23 से 25 नवंबर तक अखिल भारतीय प्रशिक्षण टोली बैठक का आयोजन किया गया। प्रांत प्रचार प्रमुख रामदयाल सैन ने बताया कि बैठक में जयपुर सहित देश के श्रेष्ठ 21 शिक्षाविदों ने भाग लिया। बैठक में शिक्षकों के प्रशिक्षण सहित नवीन शिक्षा नीति के अनुसार कार्यों के संपादन पर मंथन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक अशोक पांडा, रावला सूर्यनारायण, सहसंगठन मंत्री गोविन्द सिंह, क्षेत्र सहमंत्री प्रेमसिंह शेखावत, राममनोहर शर्मा, विश्व संवाद केंद्र के अशोक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र परिवार मिलन समारोह-1974 बैच

48 वर्ष बाद मिले श्री मदभगवदगीता विद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व छात्र

1974 बैच के पूर्व छात्रों द्वारा अपने अध्यापकों को गीता जी, समृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, सभी का परिवार सहित परिचय दिया। कुछ पूर्व छात्रों ने बताया कि उनके परिवार की तीन पीढ़ियां इस विद्यालय में पढ़ चुकी हैं। मा० श्री अवनीश भटनागर भारतीय महामंत्री, विद्या भारती का विशेष सानिध्य मिला। पूर्व छात्रों ने जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु विद्यालय को निधि भेंट की। पूर्व छात्र परिवार मिलन समारोह में मुम्बई, नोएडा, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब से पूर्व छात्र पहुंचे।

शिक्षा में धर्म का स्थान

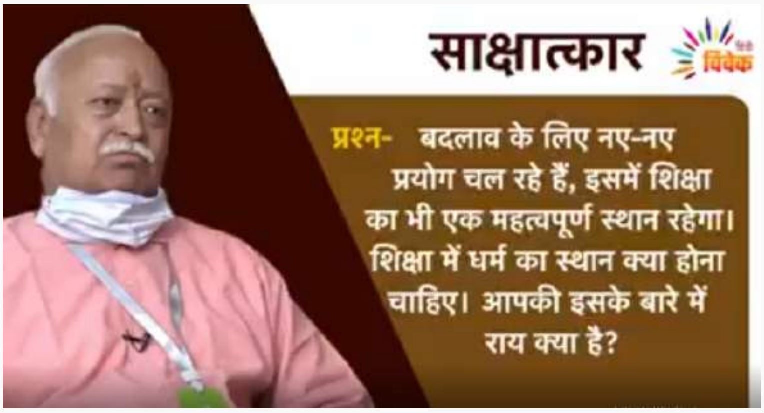

प्रश्न - बदलाव के लिए नए-नए प्रयोग चल रहे हैं, इसमें शिक्षा का भी एक महत्वपूर्ण स्थान रहेगा। शिक्षा में धर्म का स्थान क्या होना चाहिए। आपकी इसके बारे में राय क्या है ?

उत्तर- धर्म का स्थान सर्वत्र है। अधर्म तो कहीं नहीं होना चाहिए। अगर मैं कहूँ कि शिक्षा में धर्म होना चाहिए तो लोग खूब चिल्लाएंगे। लेकिन मैं अगर कहूँगा कि अधर्म नहीं होना चाहिए तो नहीं चिल्लाएगें। धर्म यानि संप्रदाय पूजा, Civic Discipline, Civic Responsibility यह धर्म है। भारत के प्रत्येक बच्चे को अपने संविधान के ये चार चैप्टर सबको बताना चाहिए। शेष डिटेल्स Constitution [Law] पढ़ने वालों के लिए है। लेकिन एकदम प्राइमरी में मत पढ़ाओ उनकी समझ में नहीं आएगा लेकिन जो फोर्मेट स्टेज में है उनकी समझ में आएगा उसमें उनको संविधान की प्रस्तावना, संविधान में नागरिक कर्तव्य, संविधान में नागरिक अधिकार और अपने संविधान के मार्गदर्शक तत्व, यह सब क्या है? कैसे हैं? ये पढ़ाना चाहिए, क्योंकि वह धर्म है। हम लोग साथ चलें, विविध लोग एकत्र रहें और भारत की उन्नति हो, उसी समय भारत की उन्नति से विश्व को कष्ट ना हो, यह मन में रखकर उस सविधान की रचना की है और करने वाले सब हमारे लोग थे। उनके सामने क्या आदर्श थे संविधान में जो चित्र उन्होंने क्रम से दिए हैं उन चित्रों में यह व्यक्त होता है। एक-एक शब्द के लिए चर्चा हुई है वह अगर हम देखते हैं तो उनका मन ध्यान में आता है। आज के फॉर्मेट में यह हमारा सनातन धर्म ही व्यक्त हो रहा है, उसको सिखाओ पढ़ना पैसे के लिए नहीं है लेकिन पढ़ना आपको भूखा रखेगा ऐसा भी नहीं है। आप पढ़ोगे तो आप अपना जीवन ठीक चला सकोगे, इतना आत्मविश्वास तो देना चाहिए लेकिन केवल आपका जीवन ठीक चले इसके लिए शिक्षा नहीं है। सबका जीवन आप ठीक चलाएं इसलिए आपको शिक्षित होना है, यह दृष्टि यहां मिले। घर के संस्कार भी ऐसे हो, विद्यालय का पाठ्यक्रम शिक्षकों का आचरण का उदाहरण और समाज का वातावरण, यह चारों बातें ऐसी होनी चाहिए।

आप जो प्रश्न कर रहे हैं वह केवल शिक्षा नीति के बारे में कह रहे है। लेकिन शिक्षा तो इन चारों में होती है. चारों का विचार करना पड़ेगा और तभी हमारी शिक्षा से मैं दुनिया के संघर्ष में खड़ा होकर अपना, अपने परिवार का जीवन चला सकता हूँ। इतनी कला और इतना विश्वास देने वाली शिक्षा हो। दूसरी बात इस दुनिया से मैने लिया है, इस दुनिया को मैं दुगना वापस करूंगा इसके लिए मुझे जीना है। तीसरी बात कि यह जीवन जीते समय जो शिक्षा मुझे मिली है उसके आधार पर सब अनुभवों में से मे कुछ जीवन के लिए सीख लूँगा। जीवन के चढ़ाव उतारों में से जाते समय में जीवन के आनंद को ग्रहण करूँगा सकारात्मक दृष्टिकोण से ऐसा स्वभाव होना चाहिए। यह शिक्षा इस प्रकार की होनी चाहिए। अभी जो शिक्षा नीति बनी है उसने कुछ कदम इस ओर डाले है वह अच्छी बात है, लेकिन उसको पूर्ण नहीं मानना चाहिए। दूसरी बात पूर्ण नीति सरकार जब बनाएगी तो भी इसका अमल केवल शिक्षा याने व्यवस्था नहीं करती, घर और समाज भी करता है। तो कुल मिलाकर इस वातावरण को बनाने की आवश्यकता है।

-प. पू. सरसंघचालक मा. डॉ० मोहन भागवत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(हिन्दी विवेक पत्रिका को दिए गए साक्षात्कार का अंश)

विद्या भारती प्रचार विभाग कार्यशाला, हरियाणा (2-3 दिसम्बर 2022)

प्रचार विभाग, हरियाणा की कार्यशाला का शुभारंभ गीता निकेतन विद्यालय, सैकटर-3, कुरुक्षेत्र में हुआ माननीय रवि कुमार, संगठन मंत्री, दिल्ली एवं सदस्य, केंद्रीय प्रचार टोली का मार्गदर्शन रहा।

पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रान्तीय समितियों की प्रशिक्षण टोली का प्रशिक्षण वर्ग

कक्षा-शिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर जोर

वाराणसी। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश से सम्बद्ध आठों प्रान्तीय समितियों की प्रशिक्षण टोली का प्रशिक्षण वर्ग 2 से 5 दिसम्बर तक अन्तर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र वाराणसी में सम्पन्न हुआ। कक्षा शिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन का मुख्य उद्देश्य लेकर आयोजित इस वर्ग में 14 सत्र चले।

पाठ्यक्रम की दृष्टि से Professional Development of Teacher, Knowledge of India, NEP-2020 in the Learning Process, 360^0 Assessment, New Terminology in NEP-2020, N.E.P.-2020 in Classroom के साथ विद्या भारती के लक्ष्य के अनुरूप कार्यपद्धति, जीवन के भारतीय प्रतिमान, भारत केन्द्रित शिक्षा, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा, ECCE की भारतीय प्रणाली, Pedagory के आधार पर हिन्दी, अंग्रेजी,

गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन एवं शारीरिक शिक्षा का कक्षा-शिक्षण तथा उसकी विस्तृत समीक्षा की गई। प्रशिक्षण में Digital Literacy पर जोर देकर शिक्षण कार्य किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग में सभी प्रतिभागी अपना परियोजना कार्य एवं पाठयोजना निर्माण का कार्य लेकर आए थे जिसमें NEP-2020 के निर्देशों के अनुरूप संशोधन किया गया। अनुवर्ती कार्य हेतु प्रत्येक संकुल/ जिले में प्रान्त की भांति 12-12 कार्यकताओं की प्रशिक्षण टोली की रचना कर आगामी जनवरी माह में प्रान्त/सम्भाग स्तर पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग, मार्च, अप्रैल, मई 2023 में सभी आचार्यों के 4 दिवसीय संकुल स्तरीय प्रशिक्षण वर्गों की योजना बनाई गई जिससे प्रत्येक आचार्य के कक्षा-शिक्षण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप वांछित परिवर्तन किया जा सके।

वर्ग में विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री माननीय अवनीश भटनागर, अखिल भारतीय मंत्री माननीय शिवकुमार, अन्तर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र वाराणसी के क्षेत्रीय निदेशक प्रोफेसर प्रेमनारायण सिंह, क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश माननीय हेमचन्द्र का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय एवं प्रान्तीय संगठन मंत्री, 8 प्रदेश निरीक्षक, प्रशिक्षण टोली के 22 प्रधानाचार्य, 29 आचार्य, 7 पूर्णकालिक (सम्भाग निरीक्षक) एवं 17 प्रान्तीय समितियों के प्रशिक्षण प्रभारी पदाधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ आदि उपस्थित रहे।

देसी गोपालकों, प्राकृतिक सब्जी गृह वाटिका और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों का सम्मान

तेपला। नंदलाल गीता विद्या मंदिर तेपला, जिला अंबाला, हरियाणा में क्षेत्र के कृषि वैज्ञानिकों, देसी गाय पालकों, प्राकृतिक सब्जी गृह वाटिका और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय गोबिन्द महंत ने कहा कि विद्या भारती पूरे देश में प्रकल्पों के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर में सुधार का निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस गति से लोग रासायनिक खाद के उपयोग से फसलों की पैदावार बढ़ा रहे हैं उसी अनुपात में खाद्य पदार्थों में रोग भी होते जा रहे हैं जिसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है। देसी गोपालक व प्राकृतिक खेती कर रहे समय सिंह शूभरी ने देसी गाय पालन से लाभ और पशुओं को रोगों से बचाव के तरीके बताए।

प्राचार्य व प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉक्टर राकेश भारद्वाज ने प्राकृतिक सब्जी गृह वाटिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्राकृतिक खेती अनुसंधानकर्ता राहुल डिसूजा व कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र सिंह ने प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी। किसानों ने प्राकृतिक उत्पाद प्रदर्शित किए और उनका उपयोग बताया।

माननीय गोबिन्द महंत ने ग्रामीण शिक्षा विकास समिति हरियाणा प्रांत के महामंत्री चेतराम शर्मा जी के साथ तेपला प्रकल्प के निःशुल्क छात्रावास, आदर्श नंदलाल गौशाला, प्राकृतिक सब्जी गृह वाटिका और प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया। इसके साथ ही विनय छात्रावास के छात्रों तथा अध्यापकों से वार्ता की और उपलाना गांव में संस्कार केंद्र के अभिभावकों, अध्यापकों और छात्रों से वार्तालाप किया। बाद में विद्यालय प्रबंध समिति के साथ बैठक की।

विद्यालय द्वारा उपलाना ग्राम में संचालित संस्कार केंद्र का दर्शन करते माननीय गोबिन्द महंत, अखिल भारतीय संगठन मंत्री

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की अखिल भारतीय बैठक का आयोजन

समाज के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें पूर्व छात्रः गोबिन्द महंत

रायपुर (छत्तीसगढ़)। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद् की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का 17-18 दिसंबर 2022 को आयोजन किया गया।

बैठक में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय गोबिन्द चंद्र महंत ने पूर्व छात्रों से अपेक्षा और लक्ष्य तय करने को कहा। संस्कार को परिवार और समाज में लेकर जाना है। पूर्व छात्र समाज में उदाहरण बनें और पूर्व छात्रों को संगठन में जोड़ें।

माननीय काशीपति, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य ने संगठनात्मनक, दायित्वबोध, योजना आदि पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सुप्त शक्ति को जाग्रत करना, जाग्रत शक्ति को सक्रिय रखना और सभी को नए सेवाकार्यों से जोड़ने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

अखिल भारतीय प्रभारी माननीय विजय नड्डा जी ने सभी के प्रश्नों के उत्तर दिए और सुझाव लिए। पूर्व छात्र परिषद के संयोजक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि पूर्व छात्रों की ओर से पिछले वर्ष से अभी तक देशभर में जरूरतमंदों को भोजन, राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही रक्तदान शिविर, पौधारोपण, लंपी वायरस उन्मूलन अभियान, संस्कार केंद्र आदि गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी 11 क्षेत्रों और 37 प्रांतों में पूर्व छात्र परिषद का गठन हो गया है।

छत्तीसगढ़ प्रान्त संयोजक परिचय मिश्रा ने सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकार दी।

सह-संयोजक राहुल सिंघल ने पोर्टल की जानकारी दी। संयोजक डॉ. पंकज शर्मा ने विशिष्ट पूर्व छात्रों, NRI, NCR पूर्व छात्रों से सम्पर्क करने पर चर्चा की।

पूर्व छात्र संवाद, विवेकानंद व्याख्यानमाला की समीक्षा और कौशल विकास, CSR, ATL, रोजगार, स्व-रोजगार, Career Counseling पर चर्चा की गई। सभी क्षेत्रों, प्रांतों ने पिछले वर्ष की गतिविधियों, कार्यक्रमों और सामाजिक कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में देशभर से 44 दायित्वान और तीन विशिष्ट पूर्व छात्रों ने भागीदारी की।

विद्या भारती के अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री माननीय श्रीराम आरावकर, माननीय राजेंद्र खेतान, माननीय भालचन्द्र रावले, माननीय डॉ आनंद राव का भी सानिध्य मिला।

बालिका शक्ति समागम, विद्या भारती तेलंगाना

स्वर्ण जयंती समारोह, बालिका शक्ति समागम 25-27 नवंबर 2022 को कान्हा शांति वनम में स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर विद्या पीठम में मनाया गया। तेलंगाना प्रांत के विद्यालयों से छठी से दसवीं कक्षा की लगभग 2000 बालिकायों ने भाग लिया।

सात दिवसीय दिशा बोध वर्ग का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा व्यवस्था में आएगा बदलाव : अवनीश भटनागर

चित्तौड़गढ़। विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अवनीश भटनागर ने कहा कि विद्या भारती राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को क्रियान्वित करने के लिए तैयार है। नई शिक्षा नीति से देश की शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव आएगा।

मीडिया से बात करते हुए माननीय अवनीश भटनागर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बाल्यावस्था शिक्षा एवं देखभाल के अन्तर्गत जो बातें कही गई हैं, उनका प्रत्यक्ष अनुभव विद्या भारती के पास है। शिशु वाटिका के नाम से शिशु शिक्षा के लिए अनेक वर्षों से विद्या भारती कार्य कर रही है। क्रिया आधारित शिशु शिक्षण के लिए तैयारी चल रही है और इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में तीसरी बार शिक्षा नीति लागू की गई है। इसे चार चरणों में लागू किया गया है, पहला चरण नर्सरी से कक्षा दो तक, दूसरा चरण कक्ष तीन से पांच तक, तीसरा चरण कक्षा छह से कक्षा 12 और चौथे चरण में कॉलेज शिक्षा लागू की गई है। इस बार मूल्य शिक्षा, गुणवत्ता युक्त शिक्षा, जेण्डर एजुकेशन, तकनीकी शिक्षा भारत ज्ञान शिक्षा के रूप में व्यक्त किया गया है।

अखिल भारतीय महामंत्री ने कहा कि बालकों में कौशल विकास एवं अभिरुचियों को विकसित करने के लिए कक्षा छह से ही रचना हो, इसके लिए प्रयत्न किया जा रहा है। विद्या भारती चित्तौड़ प्रान्त में भी आचार्यों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने प्रबुद्धजनों एवं नागरिकों से अपील की कि शिक्षा के केन्द्र में भारत को लाने एवं वैश्विक नागरिक निर्माण के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में सहयोगी बनें।

विद्या भारती चितौड़ प्रान्त ने सात दिवसीय दिशा बोध वर्ग विद्या निकेतन उमावि गांधीनगर चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया। इस वर्ग में विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवप्रसाद जी, प्रान्त प्रचारक विजयानन्द जी, सह संगठन मंत्री गोविन्द कुमार एवं प्रान्त सचिव किशन गोपाल आदि उपस्थित रहे।

विद्या भारती और चिन्मय मिशन की इतिहास पाठ्य-पुस्तक संगोष्ठी का आयोजन

विद्या भारती और चिन्मय मिशन द्वारा संयुक्त रूप से "इतिहास" पाठ्य पुस्तक संगोष्ठी का आयोजन 10 दिसंबर को चेन्नई में किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य पाठ्य-पुस्तकों को दीप्तिमान भारत, लचीला भारत और पुनरुत्थान भारत के अनुरूप बनाना है। इस संबंध में एक साल पहले पुस्तकों का प्रकाशन किया गया था। नई पुस्तकों को अगले शैक्षणिक वर्ष से लागू करने को लेकर सभी तत्पर हैं। संगोष्ठी में प्रमुख रूप से विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर, चिन्मय मिशन चेन्नई के स्वामी मित्रानंद, पीएमओ के आर्थिक सलाहकार संजीव सान्याल और आरआईई मैसूरु (एनसीईआरटी) के प्रोफेसर श्रीकांत का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संगोष्ठी में चेन्नई और आसपास के 60 स्कूलों के प्रबंधन के लोग और प्रधानाध्यापकों समेत लगभग 250 लोग शामिल रहे।

थारू समाज की शिक्षा का अभिनव प्रयास

प्रताप नारायण मिश्र सरस्वती विद्या मंदिर | जन शिक्षा समिति अवध प्रान्त की पहल

चन्दन चौकी (लखीमपुर-खीरी, उत्तर प्रदेश)। भारत-नेपाल सीमा पर दुधवा नेशनल पार्क के उत्तर में देश का अंतिम गाँव है चन्दन चौकी। इसके उत्तरी छोर पर बह रहा नाला भारत-नेपाल की सीमा बनाता है। यहाँ प्रमुख रूप से थारू समाज की राणा, कठेरिया और चौधरी जाति के लोगों का निवास है। वर्ष 1988 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रान्त के तत्कालीन प्रान्त प्रचारक प्रताप नारायण मिश्र पलिया के प्रवास पर आये थे। उस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें गौरी फंटा, सूडा, चन्दन चौकी आदि का भ्रमण कराया था। तब क्षेत्र में शिक्षा संस्थानों का अभाव था, सरकारी विद्यालय भी नहीं थे, लेकिन सरकार ने थारू जाति विकास संस्थान के अन्तर्गत कुछ प्राथमिक विद्यालय खोले थे, जो अपर्याप्त थे। श्री प्रताप की इच्छा के अनुरूप चन्दनचौकी में फूल सिंह राणा के छप्पर के नीचे विद्या भारती का विद्यालय खोला गया और शिशु प्रथम की कक्षायें प्रारम्भ की गईं। प्रथम प्रधानाचार्य केशव प्रसाद ने परिश्रमपूर्वक सत्रभर कार्य किया। बाद में राम किशोर मिश्र प्रधानाचार्य बने। स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी पट्टे की जमीन विद्यालय के लिए उपलब्ध कराई जहां आज प्रताप नारायण मिश्र सरस्वती विद्या मंदिर चल रहा है और अब विद्यालय में 24 कमरे हैं। विद्यालय को शासन से कक्षा अष्टम् तक मान्यता प्राप्त है।

भविष्य की योजना

- **चन्दन चौकी में गो-पालन एवं गो-संवर्द्धन केन्द्र की स्थापना।**
- **जैविक खाद बनाना, किसानों को प्रशिक्षित करना, रासायनिक खादों का प्रयोग कम कर अधिक उपज हेतु प्रशिक्षण।**
- **औषधीय पौधों के माध्यम से चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने का केन्द्र एवं भाऊराव देवरस न्यास द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सालय का संचालन**
- **बालिकाओं के स्वावलम्बन हेतु 10 सिलाई-कढ़ाई केन्द्र स्थापित करना।**
- **23 ग्रामों में साप्ताहिक सुन्दरकाण्ड एवं हनुमान चालीसा का पाठ कराना।**
- **23 संस्कार केन्द्र चलाना।**

विद्यालय में माननीय राज्यपाल द्वारा बीते 21 नवंबर को 30 कम्प्यूटर की प्रयोगशाला का लोकार्पण किया गया था। यहां दूर से आने वाले बच्चों के लिए निःशुल्क छात्रावास भी बनाया गया है जिसमें 50 छात्र निवास करते हैं। चंदन चौकी के इस विद्यालय को आधार मानकर विरिया. चूडापोवा पोटाला में छोटे-छोटे विद्यालय और 10 स्थानों पर संस्कार केन्द्र चल रहे हैं। लगभग 30 वर्षों में विद्या भारती के प्रयास से शिक्षण स्तर में परिवर्तन आया है, साक्षरता दर बढ़ी है, कुछ लोग नौकरी में हैं तो कुछ लोग स्थानीय स्तर पर व्यापार कर रहे हैं। जुआ खेलना, शराब बनाना एवं पीना, बाल विवाह, अन्धविश्वास में कमी आई है। थारू समाज के लोगों से बाहर के व्यक्तियों से भेदभाव कम हुआ है और अपनत्व का भाव विकसित हुआ है। विद्यालय में वर्ष 2006 में महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना की गई थी। थारू समाज महाराणा प्रताप जयन्ती मनाने के लिए विद्यालय में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है। कबड्डी रस्साकसी, थारू नृत्य, गायन, वादन में महिला-पुरूष दोनों भाग लेते हैं। थारु समाज के लोग सेना में भर्ती हेतु विशेष रुचि दिखाते हैं। ये लोग महाराणा प्रताप को अपना आदर्श मानते हैं और बड़े गर्व से बताते हैं कि हमारे पूर्वजों ने राणा की सेवा और सुरक्षा उस समय की थी जब राणा महलों को छोडकर जंगलों में रहकर जीवनयापन कर रहे थे।

चुनौतियां

क्षेत्र में ईसाई मिशनरियों, चर्चों एवं मुस्लिमों के बढ़ते अतिक्रमण। आर्थिक स्थिति में सुधार तो हुआ है, लेकिन गरीबों को थोड़ी आर्थिक सहायता कर उनके खेतों पर कब्जा, नेपाल सीमा से तस्करी हेतु गरीबों को माध्यम बनाना आदि। इन चुनौतियों का सामना प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है और भविष्य में इसमें सुधार होने की आशा है।

सेवा क्षेत्र की शिक्षा की अखिल भारतीय बैठक

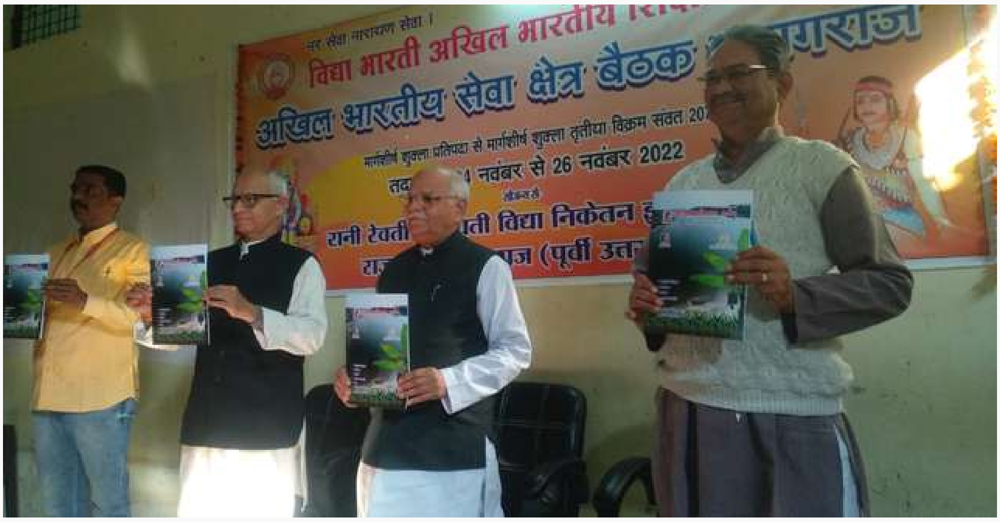

प्रयागराज। रानी रेवती सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर, प्रयागराज, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 24 से 26 नवंबर 2022 तक सेवा क्षेत्र की शिक्षा की अखिल भारतीय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में अखिल भारतीय सेवा शिक्षा प्रभारी एवं विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्र संगठन मंत्री माननीय शिव प्रसाद ने सेवा क्षेत्र के विस्तार एवं दृढ़ीकरण के साथ सुपोषण युक्त भारत योजना में संस्कार केंद्रों की भूमिका व प्रभावी एवं परिणामकारी प्रवास एवं अपेक्षित कार्यकर्ता प्रशिक्षण पर मार्गदर्शन किया। अखिल भारतीय सेवा संयोजक विद्या भारती रामस्वरूप शर्मा ने सेवा क्षेत्र पाठ्यक्रम की समीक्षा की और वार्षिक योजना व सेवा क्षेत्र हेतु नवीन साहित्य सृजन पर विचार रखे। अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य माननीय काशीपति ने प्रभावी एवं परिणामकारी संस्कार केंद्रों पर मार्गदर्शन किया।

सेवा क्षेत्र प्रभारी एवं प्रशिक्षण प्रभारी उत्तर क्षेत्र हर्ष कुमार जी ने पूर्व छात्र, छात्र संसद, कन्या भारती का सेवा क्षेत्र में प्रभावी उपयोग एवं सेवा कार्यों के अभिलेखीकरण पर विचार रखे। प्रभावी एंव परिणाम कारी संस्कार केंद्रों की स्थिति और आगामी योजना पर मा. यातीन्द्र कुमार, अखिल भारतीय संगठन मंत्री व सेवा क्षेत्र हेतु परिणामकारी प्रवास योजना पर माननीय हेमचंद्र, संगठन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश ने विशेष बातचीत की ।

देश भर में चलने वाले सस्कार केंद्रों का वृत इस प्रकार है

- वर्तमान संस्कार केंद्रों की संख्या:- 4195
- लक्ष्य सत्र 2023-241 5748
- शिक्षा के केंद्र 4111
- स्वास्थ्य और स्वावलंबन के केन्द्र 84
- समाज पोषित संस्कार केंद्र 272

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा विश्वविद्यालय कुलपतियों के साथ बैठक, कर्णावती, गुजरात

विजय दिवस पर किया गया मार्चपास्ट

विजय दिवस पर घोष संचालन , 80 जगहों के 3000 छात्रों ने किया मार्चपास्ट

विद्याभारती मध्यभारत प्रांत | ढाका | विजय दिवस 16 दिसम्बर 1971 के उपलक्ष्य में सरस्वती शिशु मंदिर अंदर किला घोषदल के भैया-बहिनों द्वारा नगर विदिशा के मुख्य मार्गों से पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में संस्था प्राचार्य श्री प्रबल प्रताप जी पुरोहित, प्रातः पाली प्रभारी श्रीमती नीता सोनी, कार्यालय प्रमुख श्री मनोज तिवारी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। उक्त संचलन विद्यालय के घोष प्रमुख श्री नीरज शर्मा की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

सुवर्णप्राश्न संस्कार कार्यक्रम – तेलंगाना

श्री सरस्वती विद्यापीठम, कामारेड्डी में सुवर्ण प्राश्न संस्कार कार्यक्रम का छठा महीना संपन्न हुआ जिसमें 500 में से 402 बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ भाग लिया...

''गणित दिवस'' (रामानुजम जयंती) के अवसर पर विद्या भारती के विद्यालयों में हुआ भव्य शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन के साथ ही नन्हे बाल गणितज्ञो का लगा मेला ...

संगीत का अंग है घोषः कृपाशंकर शर्मा

प्रांतीय घोष आचार्य प्रशिक्षण वर्ग

झारखंड। प्रांतीय घोष आचार्य प्रशिक्षण वर्ग कुदलुम 2022 का आयोजन विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती खेल परिषद के संयोजक कृपा शंकर शर्मा ने कहा शिक्षा का आधार ही संगीत है। संगीत का एक अंग है घोष। गायन, वादन, नृत्य हिंदू संस्कृति का कोई भी कार्यक्रम बिना संगीत के सफल नहीं हो सकता। जन्म से मृत्यु तक संगीत जुड़ा है। घोष साधना का विषय है। क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम जी ने कहा कि घोष विद्यालय का श्रृंगार है। घोष के कारण बच्चों में अनुशासन आता है। इसलिए विद्यालयों में घोष व्यवस्थित एवं सुसज्जित होना चाहिए। नियमित अभ्यास से घोष प्रभावी और आकर्षक होगा। घोष के वादन से बच्चों में समय पालन करने की प्रेरणा जाग्रत होती है।

प्रांतीय घोष आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में आनक में 10, वंसी में 10 और शंख में 5 अभ्यास सत्र आयोजित किए गए। आनक में प्राथमिक पाठ का अभ्यास और रचना लव,कुश, प्रभात, अतिथि वंदन एवं टिक प्रयोग का अभ्यास कराया गया। वंशी में वंशी को कैसे पकड़ना, कैसे फूंकना, स्वर परिचय, प्राथमिक पाठ 1 से 9 तक का और रचना प्रभात का अभ्यास कराया गया। शंख में शंख पकड़ना, फूंकना, स्वर पाठ का अभ्यास और रचना लव, अतिथि वंदन का अभ्यास कराया गया। लिपि अभ्यास सत्र में लिपि कैसे लिखना, पढ़ना और चिन्हों की पहचान बताई गई।

अखिल भारतीय बालिका शिक्षा अभ्यास वर्ग - वृंदावन

वृन्दावन | विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बालिका शिक्षा अभ्यास वर्ग का उद्घाटन हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर वृन्दावन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बालिकाओं के लिए **"हम बेटी भारत माता की"** पुस्तक का विमोचन माननीय यतीन्द्र ने किया तथा 2025 तक के कार्य विस्तार पर उद्बोधन मार्ग दर्शन दिया। **हम बेटी भारत माता की पुस्तक का संपादन रेखा चुडास्मा जी के माध्यम से हुआ। उसका विमोचन मा. यतीन्द्र शर्मा ने वृन्दावन मे किया।**

इस अभ्यास वर्ग में संपूर्ण देश के 10 क्षेत्रों एवं 29 प्रांतों से कुल 80 बालिका शिक्षा संयोजिका दीदी ने भाग लिया। यह त्रिदिवसीय अभ्यास वर्ग कुल 14 सत्रों में संपन्न हुआ ।

महाकौशल प्रान्त प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक

मनुष्यत्व से देवत्व और देवत्व से मोक्ष की ओर ले जाना ही उद्देश्यः यतींद्र

मंडला। विद्या भारती महाकौशल प्रांत के प्रांतीय प्रधानाचार्य वर्ग में विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री माननीय यतींद्र ने कहा कि शिक्षा का कार्य सजीव मानव के निर्माण का कार्य है। शिक्षा और विद्या में अंतर स्पष्ट करते हुए बताया कि शिक्षा जीविका चलाने का साधन है, परंतु विद्या आदर्श जीवन जीने की कला सिखाती है। शिक्षा में कठोरता है जबकि विद्या में नम्रता और सहजता है। विद्या के माध्यम से शिष्य को तब तक समझाना जब तक उसे आत्मज्ञान न हो जाए। शिक्षा का क्षेत्र बहुत व्यापक है, समग्रता का विचार करने वाला है। शिक्षा राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए है। आत्मज्ञान और अध्यात्म की शिक्षा हमारी विशिष्टता रही है।

वास्तव में मनुष्यता से देवत्व और देवत्व से मोक्ष की ओर ले जाना ही हमारा उद्देश्य है। प्रधानाचार्य के नाते बहुउद्देशीय नेतृत्वकर्ता के रूप में अपने आप को स्थापित करें। विद्यालय के शोधपरक विकास की योग्यता विकसित करें, युगानुकूल ज्ञानात्मक विकास के साथ कौशल का विकास करें।

महाकौशल प्रांत की तीन दिवसीय प्रधानाचार्य बैठक का आयोजन 29-30 नवंबर व 1 दिसंबर को किया गया। इस अवसर पर सह संगठन मंत्री मध्य क्षेत्र डॉक्टर आनंद, प्रादेशिक सचिव डॉक्टर नरेंद्र कोष्टि, प्रांत कोषाध्यक्ष श्री विष्णुकांत ठाकुर जी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष विनायक राव ताम्बे आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र ने जल संरक्षण के तहत किया बोरी बंधान

जबलपुर । विद्या भारती महाकौशल वनांचल शिक्षा सेवा न्यास जबलपुर द्वारा संचालित सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र के द्वारा 18 दिसंबर को वनांचल ग्राम नंदोरा के नाले में जल संरक्षण के तहत बोरी बंधान कार्यक्रम किया गया तथा दो केन्द्रों को गोद लिया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर लांजी एवं वनांचल शिक्षा सेवा न्यास सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र की आवर्ती बैठक हुई थी। विदित हो कि मिट्टी का कटाव रोकने के लिए बोरी बांध का उपयोग किया जाता है। इस बोरी बंधान कार्य में देवेंद्र चतुर्वेदी प्रांत प्रमुख जनजाति शिक्षा, रामबहोरी पटेल विभाग समन्वयक मंडला विभाग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ वेद प्रकाश लिल्हारे ने जनजाति संस्कार केंद्र कडता एवं बारेलाल जी द्वारा सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र बड़गांव केंद्र को गोद लिया। इसके साथ ही डॉ. राजेश ने बालाघाट जिले के जनजाति शिक्षा के समस्त आचार्य परिवार एवं भैया बहिनों की निःशुल्क इलाज करने की घोषणा की। साथ ही जनजाति संस्कार केंद्र संकुल लांजी, घोटी में मनोज बोरकर रजिस्टार द्वारा प्रदत कंबलो का वितरण निःशक्त जनों को किया गया।

सेदरी में कौशल विकास कार्यशाला, सेदरी में बिजली कनेक्शन और पेपर क्रॉफ्टिंग का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

खाचरोद | ग्राम सेदरी उज्जैन जिला ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला उज्जैन द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर सेदरी में बालसभा के अंतर्गत कौशल विकास कार्यशाला में बिजली कनेक्शन और पेपर क्रॉफ्टिंग का प्रशिक्षण दिया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत कौशल विकास के प्रभावी कियान्यन को लेकर विद्या भारती के विद्यालयों में कौशल विकास के प्रशिक्षण का कार्य प्रांत की योजना से किया जा रहा है जिसके तहत विद्यालय में बिजली कनेक्शन (लाइट फिटिंग) कैसे करें, स्विच, विद्युत सामग्री बोर्ड कनेक्शन पावर सप्लाई आदि कार्य का प्रशिक्षण विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अर्जुन द्वारा दिया गया। आचार्य अर्जुन सालितरा द्वारा छात्रों को स्वयं विद्युत कनेक्शन करके बताया गया।

इसी प्रकार बहनों को पेपर कॉफ्टिंग का प्रशिक्षण श्रीमती टीना सेन, श्रीमती अनुराधा धाकड़, सुश्री कविता राठौड़, सुश्री राधा बैरागी, श्रीमती सीमा धाकड़, सुश्री जमना रतिया द्वारा गया। पेपर क्रॉफिटंग में बहनों और दीदी द्वारा अनेक डिजाइन तैयार की गई।

विद्यालय प्राचार्य अशोक पाटीदार द्वारा कौशल विकास कार्यशाला की भूमिका रखी और छात्रों के जीवन में कौशल विकास महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

आगरा के बालिका विद्या मंदिर में पुरातन छात्रा सम्मेलन:पुरातन छात्र सम्मेलन में छात्राओं की पुरानी यादें हुई ताजा, कोई बना डॉक्टर तो कोई इंजीनियर

आगरा के बलकेश्वर में स्थित गणेश राम नागर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के प्रांगण में एक बार फिर से पुरानी छात्राएं अपनी कक्षा की साथियों व अपने अध्यापकों को देखकर काफी खुश हो रही थी।

सालों बाद एक बार फिर से उन्हें यह मौका मिला था कि वह पुराने दिन याद कर सकें।

स्कूल में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया था। जिसमें करीब 6 से 7 साल पहले अपनी पढ़ाई पूरी कर चुकी छात्राएं शामिल हुई। पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन गणेश राम नागर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में किया गया। मुख्य वक्ता हरिशंकर संगठन मंत्री ब्रज प्रांत विद्या भारती ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

विद्या भारती की उपलब्धियाँ

नीति आयोग द्वारा संचालित अटल इन्नोवेशन मिशन के द्वारा प्रतिवर्ष एक "Coffee Table Book" प्रकाशित की जाती है जिसमें ATL Marathon के देश भर के शीर्ष 30 Innovation के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। इस पुस्तक को प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का भी शुभकामना संदेश प्राप्त हुआ है। विशिष्ट पुस्तक "Coffee Table Book" में सरस्वती शिशु मंदिर टिमरनी के कक्षा अष्टमी के छात्र शौनक भुस्कुटे एवं छात्रा याशिका कुशवाहा को गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त हुआ है।

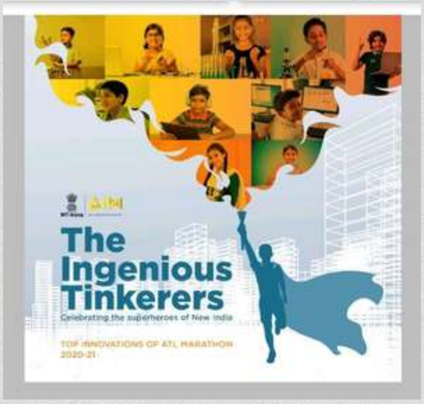

During the first wave of Covid-19, Shaunak and his mother were watching the local news channel that was being broadcasted in their hometown, Timarni, a remote corner of Madhya Pradesh. The channel was running a story that captured the difficulties Indian citizens were facing in metropolitan cities due to the outbreak of Covid-19. It triggered a conversation regarding the contrasting situation in remote areas like theirs. The infection rate in rural areas was relatively low compared to that in the cities, but so was the supply of commodities. While masks had become an essential commodity, Shaunak had observed people tying turbans, handkerchiefs or dupattas to cover their mouths because safe masks were not readily available and this meant that they were exposed to the risk of catching the deadly Covid-19 infection.

He noticed how foot-controlled sanitizer set ups had been installed at various places and become increasingly common. Shaunak thought the lack of availability of masks could be addressed in a similar manner by having a mask vending machine installed in public places. He researched his idea on the internet but couldn't find a suitable model. So, he decided to create such a machine himself.

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय करसोग की दो होनहार छात्राएं वैशाली सिंह ठाकुर तथा इशिता शर्मा का डॉक्टर की पढ़ाई के लिए डा. वाईएस परमार मेडिकल महाविद्यालय में चयन। आगामी दिनों में वैशाली तथा इशिता डॉक्टर बनकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की सेवा करेंगे। इशिता शर्मा ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया और वैशाली सिंह ठाकुर ने सत्र 2020 में 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

गौरव ने बढ़ाया जनपद का गौरव

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में गौरव वर्मा राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत श्री सूरज प्रसाद डागा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र समूह प्रमुख गौरव वर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया है। बाल विज्ञानी गौरव वर्मा के समूह ने मुख्य विषय स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए पारितंत्र को समझना के उप विषय स्वास्थ्य के लिए तकनीकी नवाचार के अंतर्गत स्मार्ट स्प्रे मशीन पर अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं थीसिस तैयार कर राज्य स्तर पर प्रस्तुतीकरण किया। जिसका चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर दिनांक 26 से 31 जनवरी, 2023 तक गुजरात के अहमदाबाद में यह अपना प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 65

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net | www.vidyabharatisamvad.com

ई-मेल : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com
फोन: 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में,